भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

मौखिक प्रश्न सं. 113

गुरूवार, 5 दिसम्बर, 2024/14 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पुडुचेरी सरकार द्वारा प्रसाद योजना का कार्यान्वयन

113 श्री एस. सेल्वागनबेथी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को 'तीर्थयात्रा कायाकल्प और आध्यात्मिक संवर्द्धन अभियान' (प्रसाद योजना) के तहत पुडुचेरी सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) 'प्रसाद' योजना के तहत, पुडुचेरी सरकार द्वारा पहचान किए गए तीर्थ-स्थलों की संख्या कितनी है;

(घ) विरासत शहर के एकीकृत पर्यटन विकास के तहत पुडुचेरी सरकार द्वारा पहचान किए गए विरासत भवन कौन-कौन से हैं; और

(ङ) क्या सरकार क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पर्यटन के महत्व के बारे में स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए आगे आई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

श्री एस. सेल्वागनबेथी द्वारा पुडुचेरी सरकार द्वारा प्रसाद योजना का कार्यान्वयन के संबंध में दिनांक 05.12.2024 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के मौखिक प्रश्न सं. 113 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में **विवरण**

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक योजना के तहत महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों और विरासत गंतव्यों पर पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों और संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। प्रशाद योजना के तहत तीर्थ गंतव्यों/विरासत स्थलों का चयन विभिन्न मापदंडों पर आधारित होता है, जिसमें अन्य के साथ-साथ पर्यटकों की संख्या, स्थलों का सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और विरासत की दृष्टि से महत्व, राष्ट्रव्यापी विकास सुनिश्चित करने के लिए समान प्रतिनिधित्व, निधियों की उपलब्धता और अन्य संबंधित कारक शामिल हैं। इस प्रक्रिया को राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से निष्पादित किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय ने प्रशाद योजना के तहत पुडुचेरी में 'नवगृह मंदिर-श्री धरबारण्येश्वर मंदिर और आध्यात्मिक पार्क, कराईकल जिला' को विकास के लिए चिह्नित किया है।

पर्यटन परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों से प्रस्ताव प्राप्त करना एक सतत प्रक्रिया है। प्राप्त प्रस्तावों की निर्धारित दिशा-निर्देशों के संदर्भ में जांच की जाती है और निर्धारित शर्तों की पूर्ति तथा निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन ऐसी परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अभी तक पुडुचेरी संघ राज्यक्षेत्र सरकार से निर्धारित प्रारूप में कोई अन्य प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

पुडुचेरी सरकार ने सूचित किया है कि उसने पुडुचेरी के बुलेवार्ड नगर में 114 विरासत भवनों को चिह्नित किया है।

(ङ): क्षेत्र के समग्र विकास के लिए पर्यटन के महत्व के बारे में स्थानीय समुदायों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन मित्र/पर्यटन दीदी नामक एक राष्ट्रीय जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन पहल शुरू की है। इस पहल को भारत के 6 पर्यटक गंतव्यों, अर्थात् ओरछा (मध्य प्रदेश), गंडिकोटा (आंध्र प्रदेश), बोधगया (बिहार), आइजोल (मिजोरम),

जोधपुर (राजस्थान) और श्री विजयपुरम (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में प्रारंभिक चरण में शुरू किया गया था।

'अतिथि देवो भव' की भावना से कैब चालकों, ऑटो चालकों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों, बस स्टेशनों के कर्मचारियों, होटल कर्मचारियों, रेस्तरां कर्मचारियों, होमस्टे मालिकों, टूर गाइड, पुलिस कर्मियों, स्ट्रीट वेंडर, दुकानदारों, छात्रों आदि को पर्यटन, आम स्वच्छता, सुरक्षा, सस्टेनेबिलिटी के साथ-साथ पर्यटकों को आतिथ्य और देखभाल की सर्वोच्च स्तर की सेवा प्रदान करने के महत्व पर प्रशिक्षण और जागरूकता प्रदान की जाती है।

यह कार्यक्रम 15 अगस्त, 2024 को शुरू किया गया था और इसमें अब तक 3,500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। विश्व पर्यटन दिवस 2024 पर, पर्यटन मंत्रालय ने पुडुचेरी सहित देश के 50 पर्यटन स्थलों में पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी की सेवाएं प्रदान की हैं।

*****